शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

• वर्ष : 11 • अंक : 172 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए

मंगलवार 10 नवंबर 2026

E-PAPER: www.rashtrabaan.in

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

गोवा में 3 साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न, तलाश में जुटी पुलिस

मापुसा। गोवा के उत्तरी जिले के मापुसा में एक जर्जर इमारत में तीन साल की बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। बच्ची रविवार शाम टैक्सी स्टैंड के पास इमारत के बाहर रोती हुई मिली। एक राहगीर ने उसे देखा और स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी। बच्ची का परिवार गुब्बारे बेचता है और वह दिवाली के लिए उनके साथ बाजार आई थी। पुलिस ने बच्ची को पहले मापुसा जिला अस्पताल और फिर गोवा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। अधिकारियों के मुताबिक, उसकी हालत अब स्थिर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की पहचान के लिए आसपास के ष्टष्टअङ्क फुटेज खंगाल रही है। फिलहाल आरोपी अज्ञात है और उसकी तलाश जारी है।

अजित के बेटे पार्थ ने शरद पवार से दूसरी बार मुलाकात की

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे एनसीपी महासचिव पार्थ पवार ने रविवार को मुंबई में एनसीपी (स्क) प्रमुख शरद पवार से उनके घर पर मुलाकात की। शनिवार को ही शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिली है। इससे पहले पार्थ शनिवार को भी शरद पवार से मिले थे। शरद पवार का सीने और सांस से जुड़े संक्रमण का इलाज चल रहा था। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि उन्होंने शरद पवार से मुलाकात सिर्फ उनकी सेहत का हाल जानने के लिए की थी, राजनीति पर कोई चर्चा नहीं हुई।

फिगरेटिव पेंटिंग्स के लिए जानी जाने वाली अर्पिता सिंह का निधन

मुंबई। अपनी खास फिगरेटिव पेंटिंग्स के लिए जानी जाने वाली कलाकार अर्पिता सिंह (89) का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने सोमवार को दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके पति और कलाकार परमजीत सिंह ने उनके निधन की जानकारी दी। वह पिछले कुछ वर्षों से दिल और फेफड़ों की बीमारी से जूझ रही थीं। अर्पिता सिंह की कलाकृतियों में महिलाओं के जीवन, सामाजिक उथल-पुथल और मानवीय संकटों को प्रमुखता से दिखाया गया। बीमारी के बावजूद वह लगातार पेंटिंग बना रही थीं।

राष्ट्रबाण में विज्ञापन और खबरों के लिए संपर्क करें

7000427433

मप्र में 13 की जान गई, महाराष्ट्र में एक ही परिवार के 6 की मौत

राष्ट्रबाण नईदिल्ली| एजेंसी rashtrabaan.in

दिवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं। सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई।

वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं। हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई।

यूपी में कबाड़ की दुकान, 25 लाख का नुकसान

उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20-25 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुणे में आग की 63 घटनाएं हुई, इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू के नेहरू मार्केट में आग से 12 से ज्यादा दुकानें जल गईं, जबकि नागपुर में टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जल गए।

मुंबई के डोंगरी में झुग्गियों में आग

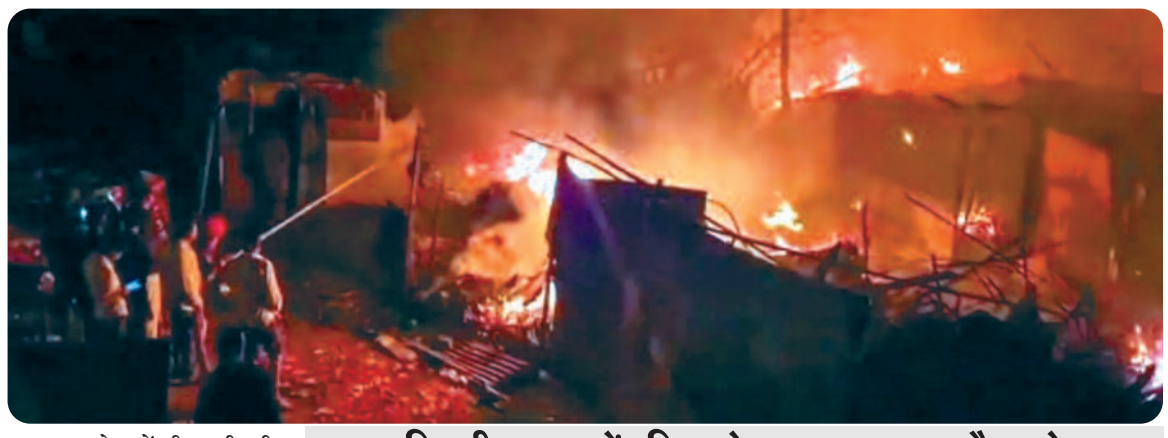
मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं, जबकि दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी। ठाणे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक में सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग लगने की घटनाएं सामने आई। इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

देशभर में दिवाली की रात आग से 23 मौतें

मप्र में दिवाली की रात आग से 13 मौतें

कटनी में मां और 3 बच्चों समेत परिवार के 6 लोग जिंदा जले ; सिवनी में भी 6 की जान गई



मध्य प्रदेश में दीपावली की रात 3 परिवारों के लिए मातम लेकर आई। कटनी के बरही और सिवनी के छपारा में मकानों में लगी आग में जलने से 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 5 महिलाएं, 4 पुरुष और 4 बच्चे हैं। बरही में तीन मंजिला मकान में लगी आग से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 महीने का मासूम, दो बच्चियां, उनकी मां और दादा-दादी शामिल हैं। सिवनी में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से 6 लोगों की जान चली गई। दोनों जगह कुछ लोग किसी तरह बाहर निकलकर बचने में कामयाब रहे। दोनों जगहों पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

वहीं, उज्जैन में दो मंजिला मकान के नीचे बनी दो दुकानों में अचानक आग भड़क उठी। इस दौरान 107 साल के बुजुर्ग की दम घुटने से मौत हो गई। सरकार अग्निकांड में जान गंवाने वालों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देगी।

सिवनी: मकान में परिवार के कुल 10 सदस्य मौजूद थे

सिवनी जिले के छपारा में दीपावली की रात एक सराफा व्यापारी के मकान में आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 4 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। घटना के समय मकान में परिवार के कुल 10 सदस्य मौजूद थे। इनमें से 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि 6 की जान चली गई।

फायर ब्रिगेड के आने तक फैल चुकी थी आग

आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग पूरे मकान में फैल चुकी थी। सिवनी एसपी कृष्ण लाल चंदानी के मुताबिक, शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। मौके पर बिजली के तार बुरी तरह जले हुए मिले हैं। जांच पूरी होने के बाद घटना की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

कटनी: तीन मंजिला मकान में फैली आग

कटनी जिले के बरही में दीपावली की रात करीब 12 बजे पूरन अग्रवाल की क्राकरी दुकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग तीन मंजिला इमारत में फैल गई। हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 77 वर्षीय पूरन अग्रवाल, उनकी पत्नी चंद्रकला, बहू पूनम और परिवार के तीन बच्चे शामिल हैं। इनमें 14 साल की आर्या, 6 साल की अन्वी और दो महीने का मासूम शामिल है।

दिल्ली-एनसीआर में हवा खतरनाक स्तर पर

एक्यूआई 418 :प्रयागराज में एक्यूआई 500 पार ; यूपी में ठंड बढ़ी, राजस्थान में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड



राष्ट्रबाण नईदिल्ली| एजेंसी rashtrabaan.in

दिवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर की हवा की क्वालिटी गंभीर कैटेगरी में पहुंच गई। रविवार रात लोगों ने जमकर पटाखे जलाए, जिसके बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में विजिबिलिटी भी काफी कम रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के पटपड़गंज में एक्यूआई में 418, आईटीओ पर एक्यूआई 406, राजीव चौक पर एक्यूआई 381 और साउथ एक्सटेंशन के आसपास के क्षेत्र में एक्यूआई 360 दर्ज किया गया।

उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और वाराणसी समेत 10 शहरों में सोमवार को हवा का स्तर खतरनाक रहा। सुबह 7 बजे प्रयागराज, गोरखपुर और लखनऊ का एक्यूआई 500 के पार पहुंच गया।

यूपी में ठंड और कोहरे ने भी असर दिखाना शुरू कर दिया है। 15 से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा। रात का तापमान 15डिग्री से नीचे लुढ़क गया है। मध्य प्रदेश में भी ठंड बढ़ रही है। रविवार रात भोपाल, इंदौर समेत 14 शहरों में पारा 14डिग्री से कम रहा। राजस्थान के शहरों में रविवार को दिन में सामान्य से ज्यादा गर्मी रही। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38 डिग्री के पार चला गया। ये पिछले 10 साल में दूसरा मौका है।

● भोपाल-इंदौर और जबलपुर समेत 15 शहरों में तापमान 15 डिग्री से कम

दिवाली पर हुई आतिशबाजी के चलते मध्य प्रदेश में वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। इंदौर में तो 8 नवंबर की रात 11:11 बजे तक ही एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 320 दर्ज किया गया। इसे 'हैजार्डस' यानी बेहद खतरनाक श्रेणी में रखा गया है।

● बिहार: सुबह धुंध, दिन में तेज धूप, 4-5 दिन नहीं बदलेगा मौसम

बिहार में दूसरा सप्ताह शुरू होने के साथ मौसम में दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। सुबह घर से निकलने पर हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन दोपहर की धूप अभी भी लोगों को गर्मी का एहसास करा रही है।

● राजस्थान: नवंबर में रिकॉर्ड गर्मी, पारा 38 के ऊपर, रात में भी ठंडक कम हुई

राजस्थान के शहरों में रविवार को दिन में सामान्य से ज्यादा गर्मी रही। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38 डिग्री के पार चला गया। ये पिछले 10 साल में दूसरा मौका है।

पीएम ने हमें नक्सली कहा, मुझसे बहस करें

राहुल बोले-उसके बाद किसी जवान के सामने खड़े नहीं हो पाएंगे

राष्ट्रबाण नईदिल्ली| एजेंसी rashtrabaan.in

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा - प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है। कोई भी समय, किसी भी जगह। मेरी गारंटी है उस बहस के बाद प्रधानमंत्री में एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं होगी। पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है।

दरअसल, पीएम मोदी ने इस बार दिवाली छत्तीसगढ़ के बस्तर में सीआरपीएफ जवानों के साथ मनाई थी। राहुल ने उसी सेलिब्रेशन का एक वीडियो भी शेयर किया है।

पीएम ने कहा था- दिमागी नक्सलियों से लड़ना है



छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें संबोधित भी किया था। वहां पीएम ने कहा - ये पहली दिवाली है जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने कहा- नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

भागवत बोले-1930 में आरएसएस पर बैन लगाने की कोशिश हुई : तब इब्राहिम ने इसका विरोध किया था

राष्ट्रबाण नागपुर| एजेंसी rashtrabaan.in



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा- उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है।

भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं। इसलिए, संघ कम्युनल नहीं हो सकता।

भागवत की स्पीच की 4 बड़ी बातें

1. व्यक्ति निर्माण से देश निर्माण : आरएसएस का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के जरिए समाज और देश को बेहतर बनाना है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का मानना था कि अच्छे व्यक्ति से ही अच्छे समाज और देश का निर्माण होता है।
2. प्रचारक पूरा जीवन संगठन को समर्पित करते हैं : आरएसएस के प्रचारक बिना किसी स्वार्थ, अहंकार या व्यक्तिगत लाभ की उम्मीद के संगठन और समाज के लिए काम करते हैं। वे अपनी निजी इच्छाओं को भी संगठन के लिए छोड़ देते हैं।
3. प्रचारकों का त्याग दूसरों के लिए प्रेरणा : प्रचारकों और स्वयंसेवकों के समर्पण और त्याग को सिर्फ शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। उनके साथ रहकर ही इसे महसूस किया जा सकता है। उनका जीवन दूसरों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है।
4. प्रचारक स्वयंसेवकों को संगठन के लक्ष्य से जोड़ते हैं : हर स्वयंसेवक आदर्शों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाता, लेकिन सभी समाज के लिए अच्छा काम करने की कोशिश करते हैं। प्रचारक अपने व्यवहार और समर्पण से स्वयंसेवकों को संगठन के उद्देश्यों से जोड़े रखते हैं।

ट्रम्प के पास बड़े फैसले लेने का आखिरी मौका : संसद का सत्र आज से

2 महीने में कई बड़े काम निपटा सकते हैं

राष्ट्रबाण वॉशिंगटन डीसी| एजेंसी rashtrabaan.in

राष्ट्रपति ट्रम्प के पास अपना एजेंडा पूरा करने के लिए करीब दो महीने बचे हैं। रिपब्लिकन पार्टी संसद के दोनों सदनों में बहुमत गंवा चुकी है। हालांकि, नई संसद के कामकाज संभालने तक पुराने सांसद ही काम करेंगे।

अमेरिकी संसद का नया सत्र आज से शुरू हो रहा है। ट्रम्प के लिए यह अहम है, क्योंकि 3 जनवरी 2027 से डेमोक्रेटिक पार्टी के बहुमत वाली नई संसद



काम संभाल लेगी। इसके बाद ट्रम्प को अपने फैसले लागू कराने के लिए विपक्ष का सामना करना पड़ेगा।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, अगले दो महीनों में ट्रम्प कुछ अहम फैसलों को आगे बढ़ाने और जरूरी काम पूरे करने की कोशिश कर सकते हैं।

ईरान युद्ध के लिए अतिरिक्त फंड जुटाने की तैयारी

ट्रम्प के सामने सबसे अहम मुद्दा ईरान युद्ध है। इस युद्ध में अमेरिका के सैन्य खर्च में इजाफा हुआ है। अगर सैन्य अभियान जारी रहता है तो हथियारों, सैनिकों और सैन्य साजोसामान पर और पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

सेना और हथियारों से जुड़े कानून को मंजूरी

रिपब्लिकन सांसद रक्षा से जुड़े कानून को भी मंजूरी दिलाना चाहते हैं। इसमें सेना की जरूरतों, नए हथियारों की खरीद और सैन्य कार्यक्रमों के लिए पैसा तय करने जैसे फैसले शामिल हैं। इससे अमेरिकी सेना के कामकाज और रक्षा योजनाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

48 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- 2700 की दवा मरीज को 27000 में मिलना नरसंहार जैसा

कैंसर की 137 दवाएं आज से सस्ती

राष्ट्रबाण नईदिल्ली| एजेंसी rashtrabaan.in

कैंसर की 137 दवाएं आज (9 नवंबर) से सस्ती हो गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं।

इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50% से ज्यादा घटाए गए हैं। सबसे ज्यादा 96.45% की कमी की गई है। कीमतें घटने से मरीजों को हर साल करीब 3,540.38 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है। दरअसल, 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की रिटेलर कीमत और मैक्सिमम रिटेल प्राइज यानी एमआरपी के बीच के मार्जिन पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था- ज2700 की दवा मरीज को ज27000 में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है।

अथॉरिटी ने मुनाफा 30% तय किया: सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित (नॉन शिड्यूल्ड) कैंसर दवाओं पर कंपनियों का मुनाफा 30% तय कर दिया था। इसी फैसले के बाद दवाओं की कीमतें कम हुई हैं।

विशेषज्ञ समिति ने की थी सिफारिश



कीमतें कम करने की सिफारिश डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत बनी विशेषज्ञ समिति ने की थी। समिति में देशभर के प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल विशेषज्ञ, अस्पतालों के विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे। समिति ने मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए 137 दवाओं की सिफारिश की है। इस सूची को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।

शिकायत के लिए एप

खरीदार दवा के पैकेट पर छपी बदली हुई कीमत देख सकते हैं और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप या एनपीपीए की वेबसाइटके जरिए दवाओं की नई कीमत की पुष्टि कर सकते हैं। कोई भी केमिस्ट या अस्पताल की फार्मेसी, तय की गई कीमत से अधिक दाम नहीं वसूल सकती। यदि कोई अधिक कीमत वसूलता है या कीमतों से जुड़ी कोई अन्य शिकायत है, तो उपभोक्ता 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं या एनपीपीए की हेल्पलाइन नंबर 1800-111-255 पर संपर्क कर सकते हैं।'



असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

कोचिंग का हब माना जाने वाला कोटा लगातार सुर्खियों में है। हालांकि इंजीनियरिंग- मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हजारों बच्चों की कामयाबी को लेकर ये सुर्खियां होतीं, तो इसमें हैरत की बात नहीं होती। दरअसल, इन दिनों नकारात्मक वजहों से बनने वाली ये सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

सपने पूरे करने का दबाव

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता-पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता-पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास-पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता-पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले। इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता-पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है और इसी में अभिभावकों की खुशी भी छुपी है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत-से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता-पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें। उन्हें यह भरोसा दिलाएं कि अगर वे आपको आपकी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करते हैं, तो आप उन्हें कतई निराश नहीं करें। बस, वे आपको एक मौका तो दें।





होम्योपैथिक डॉक्टर बन दें करियर को नई उड़ान

होम्योपैथिक इलाज में दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग होम्योपैथिक उपचार पर भरोसा करते हैं। अगर आप भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। तो आप इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

अंग्रेजी दवाओं के अलावा कई लोग होम्योपैथिक दवाओं पर भी भरोसा जताते हैं। किसी भी बीमारी व समस्या को ठीक करने के लिए होम्योपैथिक डॉक्टर प्राकृतिक जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि भारत समेत दुनिया भर में होम्योपैथिक डॉक्टरों की भी मांग बढ़ती जा रही है। वहीं छात्रों में भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का इंट्रेस्ट बढ़ रहा है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने डॉक्टरों की सेवाभाव को देखा है। ऐसे में जो छात्र होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हैं। यह आर्टिकल उन्हीं के लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की सारी पात्रताओं के बारे में जानकारी देने के अलावा यह भी बताने जा रहे हैं कि इस कोर्स को करने के बाद आप इस क्षेत्र में किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

क्वालिफिकेशन

- होम्योपैथी कोर्स में प्रवेश पाने की चाहत रखने वाले छात्रों को साइंस साइड से 12वीं पास होना अनिवार्य है।
- 12वीं कक्षा में छात्रों के कम से कम अंक 50 फीसदी होने चाहिए। वहीं आरक्षित श्रेणियों के कैंडिडेट के 45% अंक होना जरूरी है।
- छात्र की कम से कम उम्र 17 साल होनी चाहिए।
- छात्र का नीट क्वालिफाई होना जरूरी है।

होम्योपैथी पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए तमाम संस्थान परीक्षाओं का आयोजन करते हैं।

प्रवेश परीक्षाएं

इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
केरल इंजीनियरिंग, कृषि और चिकित्सा
भारती विद्यापीठ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
पंजाब यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा इंजीनियरिंग, कृषि और मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश)

नौकरी

होम्योपैथिक कोर्स पूरा होने के बाद छात्र सरकारी या प्राइवेट स्तर पर अपनी नौकरी की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपना क्लीनिक भी खोल सकते हैं। होम्योपैथिक क्षेत्र में आप यह नौकरी भी कर सकते हैं।

शिक्षण कार्य

- फार्मेसिस्ट
- बीमा अधिकारी
- होम्योपैथिक चिकित्सक
- अनुसंधान पेशेवर
- होम्योपैथिक सलाहकार
- विपणन विशेषज्ञ

सैलरी

- जॉब प्रोफाइल- औसत वेतन
- फार्मासिस्ट- 3.5 लाख
- निजी चिकित्सक- 5.5 लाख
- निजी स्वास्थ्य विशेषज्ञ - 6 लाख
- सामान्य चिकित्सक - 6 लाख
- डॉक्टर- 7 लाख

यह कोर्स कर सकते हैं आप

सर्टिफिकेट कोर्स
बता दें कि होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए तमाम तरह के सर्टिफिकेट कोर्स करवाए जाते हैं। इस सर्टिफिकेट कोर्सेज की अवधि 3 से 6 महीने की होती है।

डिप्लोमा कोर्स
होम्योपैथी में कई प्रकार के अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं। इन कोर्स में आप डिप्लोमा इन इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन और डिप्लोमा इन होम्योपैथी एंड मेडिसिन आदि कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्सेज की अवधि 1-2 वर्ष की होती है।

UG कोर्स
स्नातक स्तर पर होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए छात्र क्वालिफाई और क्वालिफाई आदि पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 3 से 5 साल की होती है।

PG कोर्स
स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र M.D. (होम-फार्मेसी), M.D. (होम-प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन), M.D. (होम्योपैथिक) (मटेरिया मेडिका) आदि कोर्स कर सकते हैं। यह कोर्स 3 साल की अवधि के होते हैं।

BHMS कोर्स सिलेबस
BHMS यानी की बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी कोर्स में बायोलॉजी, शरीर विज्ञान और चिकित्सा की तमाम शाखाओम पर बुनियादी और उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले कई विषय पढ़ाए जाते हैं। वहीं डिग्री प्राप्त करने से पहले छात्र को 1 साल की इंटर्नशिप पूरी करनी होती है।

सिलेबस

- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका और चिकित्सीय
- बायोकैमिस्ट्री सहित फिजियोलॉजी
- पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी
- फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- शरीर रचना
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- केस टेकिंग और रिपर्टरी
- सामुदायिक चिकित्सा
- ऑर्गन ऑफ मेडिसिन, प्रिंसिपल्स ऑफ होम्योपैथिक फिलॉसफी एंड साइकोलॉजी
- ऑपरेशन
- चिकित्सा का अभ्यास

बता दें कि भारत में केवल 2 कॉलेज ऐसे हैं, जो एमडी होम्योपैथी सिलेबस प्रदान करते हैं। इस सिलेबस में 7 विशेषज्ञताएं शामिल हैं।

- बच्चों की दवा करने की विद्या
- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका
- प्रदर्शनों की सूची
- होम्योपैथिक दर्शन के साथ ऑर्गन ऑफ मेडिसिन
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- मनश्चिकित्सा
- चिकित्सा का अभ्यास

टॉप कॉलेज और फीस

- पटना मेडिकल कॉलेज, पटना- फीस 63,000
- महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, नासिक- फीस 11,145
- भारती विद्यापीठ होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, पुणे- फीस 75,000
- लॉर्ड महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, लुधियाना- फीस 80,000
- नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, नई दिल्ली- फीस 3,120
- जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर- फीस 55,000

करियर

होम्योपैथी के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। क्योंकि होम्योपैथिक दवाइयों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। इसलिए बहुत सारे लोग होम्योपैथिक इलाज में भरोसा जताते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक पर होम्योपैथिक दवाएं समान रूप से असर करती हैं। होम्योपैथिक दवाइयों का इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों में किया जाता है। जिनमें से माइग्रेन, अवसाद, क्रोनिक थकान सिंड्रोम, रूमेटोइड गठिया, एलर्जी, खांसी और सर्दी, चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम आदि का इलाज शामिल है। छात्र इस कोर्स की डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में काम कर अपने करियर को शुरू कर सकते हैं। नीचे दिए गए क्षेत्रों की लिस्ट में आप होम्योपैथिक पेशेवर के तौर पर काम कर सकते हैं।

- केंद्रीय, राज्य व स्थानीय सरकारी व प्राइवेट अस्पताल
- नर्सिंग होम, क्लीनिक और स्वास्थ्य विभाग
- दवा निर्माण इकाइयां (सरकारी, निजी, स्वायत्त, सहकारी क्षेत्र)
- औषधि नियंत्रण संगठन (राज्य और केंद्र सरकार)
- होम्योपैथिक दवा कंपनियां
- प्रबंधन और प्रशासन (सरकारी और निजी)
- चिकित्सा पर्यटन
- होम्योपैथिक विशेषता केंद्र
- नैदानिक परीक्षण (फार्मास्यूटिकल्स)
- स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में तृतीय-पक्ष प्रशासक
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)
- राष्ट्रीय आयुष मिशन आदि में आप बतौर होम्योपैथिक पेशेवर के रूप में काम कर सकते हैं।
- वहीं जो छात्र पढ़ाने में इंट्रेस्ट रखते हैं, वह मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के रूप में सेवा दे सकते हैं।



वीसा इंटरव्यू में दें सही जानकारी बरतें ईमानदारी

वीसा इंटरव्यू में आपको हमेशा ईमानदारी बरतनी चाहिए। अपने परिवार वालों से मिलने जाना अमेरिका जाने का पूरी तरह वैध कारण बनता है। यूएस वीसा के लिए बड़ी संख्या में लोग आवेदन करते हैं और इतनी बड़ी संख्या से निपटने के लिए आम तौर पर वीसा इंटरव्यू संक्षिप्त ही होते हैं। अक्सर ये महज 2 से 3 मिनट के ही होते हैं। चूंकि इंटरव्यू तेज गति से चलेगा, इसलिए बेहतर है कि आप ईमानदारी से और सीधे-सीधे जवाब दें।

इंटरव्यूइंग ऑफिसर कम समय में यह तय करने की कोशिश कर रहा होता है कि आप प्रामाणिक आवेदक हैं या नहीं। यदि ऐसा प्रतीत हुआ कि आप कोई जानकारी छुपा रहे हैं या प्रश्नों को टाल रहे हैं, तो ऑफिसर को आपकी प्रामाणिकता पर शक हो सकता है। इंटरव्यूइंग ऑफिसर यह भी पूछ सकता है कि आप क्या काम करते हैं, सो अपनी जॉब/ बिजनेस और जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति के बारे में बताने के लिए भी तैयार रहें। चूंकि इंटरव्यू तेजी से चलता है, सो यह जरूरी है कि आप प्रश्नों के त्वरित उत्तर दें और त्वरित उत्तर देने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप सच बोलें। वीसा इंटरव्यू में आम तौर पर दस्तावेज नहीं देखे जाते। मगर आप चाहें, तो ऐसे दस्तावेज ले जा सकते हैं, जो जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति और आपकी यात्रा के उद्देश्य से जुड़े हों। मसलन, यदि आपकी बेटी एच1बी वर्कर वीसा पर अमेरिका में है, तो आप उसके पासपोर्ट व वीसा की कॉपी ला सकते हैं, जिससे आप ऑफिसर को बता सकें कि आपका उससे क्या रिश्ता है और यह कि वह वैध रूप से अमेरिका में काम कर रही है।



राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 10 नवंबर 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

बालाघाटः रंगोली से दिए जीवन और जागरूकता के संदेश

श्राची ने जीवन का सफर दिखाया; सुमित ने आदिवासी बच्चों की मौत को रंगोली में उकेरा



बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में दीपावली की रात श्राची जैन और सुमित मंगलानी ने अलग-अलग विषयों पर संदेश देती रंगोलियां बनाई। श्राची ने रंगोली के जरिए बचपन से बुढ़ापे तक का सफर दिखाया, जबकि सुमित ने बीमारी से जान गंवाने वाले आदिवासी बच्चों की स्थिति को चित्रित किया। दोनों की रंगोलियां देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

श्राची ने बचपन से बुढ़ापे तक का सफर दिखाया

शहर की श्राची जैन ने अपनी रंगोली में जीवन के अलग-अलग पड़ावों को दिखाया। उन्होंने बताया कि जीवन मुट्ठी में भरी रेत की तरह समय के साथ फिसलता जाता है। इसलिए इसे खुलकर जीना चाहिए।

सुमित ने आदिवासी बच्चों को दी श्रद्धांजलि

युवा कलाकार सुमित मंगलानी ने अपनी रंगोली में हाल ही में





बीमारी से हुई आदिवासी बच्चों की मौत को चित्रित किया। उन्होंने बच्चों की बीमारी, उससे बचाव के उपाय और जागरूकता का संदेश भी रंगोली में उकेरा। सुमित ने बताया कि वे बचपन से रंगोली बनाते आ रहे हैं। इससे पहले वे भगवान और कई प्राकृतिक स्थलों को रंगोली में दिखा चुके हैं। इस बार उन्होंने बीमारी से जान गंवाने वाले आदिवासी बच्चों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह रंगोली बनाई।

सुरभि गौशाला कारंजा में गोवर्धन पूजा एवं गौमाता का हुआ पूजन

–प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर लाने के लिए सरकार कर रही प्रयास : विधायक राजकुमार कर्राहे

गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार विजेताओं का हुआ सम्मान

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

दीपावली पर्व के दूसरे दिन 9 नवंबर को लांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कारंजा स्थित बालासाहेब देवरस न्यास द्वारा संचालित सुरभि गौशाला में गोवर्धन पूजा एवं गौमाता पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के वृंदावन ग्रामों में आयोजित देशी नस्ल की गायों की दुग्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को शाल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अष्ट विनायक परिवार आमगांव द्वारा सुरभि गौशाला को पांच पंखे भी दान स्वरूप प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विधायक राजकुमार कर्राहे, कलेक्टर आदित्य सिंह, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, जनपद पंचायत सदस्य भारती चुटे, बालासाहेब देवरस न्यास के ट्रस्टी विलास जुगादे एवं अनिल जोशी, न्यास के सचिव सचिन अग्रवाल, गौशाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मोरेश्वर फुंडे सहित अन्य पदाधिकारी, पशु चिकित्सा विभाग के उप संचालक डॉ. घनश्याम परते, पशु चिकित्सक डॉ. घोड़ेश्वर एवं बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित थे।

अतिथियों ने विधि-विधान से गोवर्धन पूजा एवं गौमाता का पूजन किया। साथ ही गौमाता को रोटियां खिलाकर उनकी सेवा एवं संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय गोवर्धन पूजा कार्यक्रम तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।



पशुपालन से ही खेती बनेगी लाभ का धंधा



इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान में मध्य प्रदेश देश में दुग्ध उत्पादन के मामले में तीसरे स्थान पर है और इसे पहले स्थान पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रदेश में देशी नस्ल की गायों के पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में वृंदावन ग्राम विकसित कर गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना शुरू की गई है। विधायक श्री कर्राहे ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गौशालाओं में पशुओं के भरण-पोषण के लिए मिलने वाली अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये कर दी है। पशुपालकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। पशुपालन से न केवल दूध उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विधायक श्री कर्राहे ने कहा कि रासायनिक खाद के अत्यधिक उपयोग से कृषि भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है। ऐसे में प्राकृतिक एवं जैविक खाद का उपयोग बढ़ाना आवश्यक है। पशुपालन के माध्यम से खेतों के लिए पर्याप्त जैविक खाद उपलब्ध हो सकती है। किसानों को कृषि के साथ पशुपालन भी अपनाना चाहिए। इससे खेती को लाभ का धंधा बनाने में मदद मिलेगी।

छह विधानसभा क्षेत्रों के 18 पशुपालक हुए सम्मानित

कार्यक्रम में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के वृंदावन ग्रामों में आयोजित दुग्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। योजना के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के एक वृंदावन ग्राम में देशी नस्ल की गायों की दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 25 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। विजेताओं की पुरस्कार राशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से जमा कराई जा चुकी है।

सम्मानित पशुपालकों में बैहर विधानसभा के वृंदावन ग्राम करौंदा से राधेश्याम रहांगडाले, योगेश गौतम एवं टहेल सिंह, लांजी विधानसभा के वृंदावन ग्राम बापड़ी से राकेश बसेने, जागेश्वर पिछोड़े एवं युवराज कठाने, परसवाड़ा विधानसभा के वृंदावन ग्राम बड़गांव से रामसिंह बट्टी, अशोक मेरावी एवं हिम्मत सिंह उइके शामिल हैं। इसी प्रकार बालाघाट विधानसभा के वृंदावन ग्राम कुम्हारी से संतलाल उपवंशी, चंद्रभान रनगिरे एवं शिवलाल डहारे, वारासिवनी विधानसभा के वृंदावन ग्राम आरंभा से सुनीता सुलकिया, ललित मस्करे एवं बेनीराम बसेने तथा कटंगी विधानसभा के वृंदावन ग्राम आगरवाड़ा से खिन्नालाल बिसेन, हुकुमचंद टेंभरे एवं राजाराम बिसेन को शाल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बालाघाट में 63 साल से मां काली की पूजा जारी : बंगाली समाज ने स्थापित की 12 फीट ऊंची प्रतिमा

सिंदूर खेला के बाद होगा विसर्जन

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में बंगाली समाज ने दीपावली की रात मां काली की 12 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की। 8 नवंबर की रात करीब 11 बजे प्रतिमा स्थापना के बाद पूजा शुरू हुई, जो सुबह पौने 6 बजे तक चली। समाज यहां पिछले 63 साल से मां काली की पूजा करता आ रहा है।

बंगाल से आते हैं पंडित और पूजन सामग्री

प्रतिमा स्थापना से पहले मंडप तैयार किया गया। इसके बाद मां का आह्वान और प्राण प्रतिष्ठा की गई। बंगाली समाज के प्रतिनिधि मनोज चक्रवर्ती ने बताया कि मां की सजावट और पूजा की सामग्री के साथ पूजन कराने वाले पंडित भी बंगाल से आते हैं। मां दुर्गा और मां काली की प्रतिमाएं कॉलेज के पास एक ही मैदान में स्थापित की जाती हैं। यहां पिछले 63 साल से दोनों पूजाओं का आयोजन हो रहा है।

11 नवंबर को सिंदूर खेला के बाद विसर्जन

तीन दिन तक मां की पूजा की जाएगी। चौथे दिन यानी 11 नवंबर को सिंदूर खेला होगा। इसके बाद मां काली की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

चार दिन तक चलेगा काली पर्व



प्रतिमा स्थापना के साथ चार दिन का काली पर्व शुरू हो गया है। बंगाली समाज मां काली को बड़ी मां और शक्ति के रूप में पूजता है। मान्यता है कि आधी रात को विधि-विधान से पूजा करने पर जीवन के संकट, दुख और पीड़ा दूर होते हैं। इससे शत्रुओं का नाश और सुख-समृद्धि आती है। बंगाली संस्कृति में दीपावली पर मां काली की पूजा का खास महत्व है। दूसरे हिंदू परिवार इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं, जबकि बंगाली परिवार मां लक्ष्मी की पूजा शरद पूर्णिमा पर करता है।

उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन का बालाघाट आगमन

बालाघाट। उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन का 11 नवंबर को बालाघाट आगमन हो रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल डॉ. बिसेन 11 नवंबर को प्रातः 10:30 बजे सिवनी से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे तथा दोपहर 12 बजे बालाघाट स्थित सर्किट हाउस पहुंचेंगे।

राज्यपाल डॉ. बिसेन दोपहर 1 बजे सर्किट हाउस से ग्राम गर्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में सहभागिता के पश्चात दोपहर 3 बजे गर्रा से सिवनी के लिए रवाना होंगे। राज्यपाल डॉ. बिसेन के बालाघाट प्रवास को लेकर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

वेंटिलेटर, सी-पैप और सर्फेक्टेंट के सहारे नवजात को मिला नया जीवन

21 दिन बाद स्वस्थ होकर घर लौटा मासूम

जिला अस्पताल के एसएनसीयू में चिकित्सकों की सतत निगरानी और बेहतर उपचार से मिली सफलता, माता-पिता के चेहरे पर लौटी मुस्कान

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in



जिला अस्पताल बालाघाट के विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पित प्रयासों से एक समय से पहले जन्मे नवजात शिशु को नया जीवन मिला है। जन्म के समय सांस लेने में गंभीर परेशानी से जूझ रहे इस नवजात को वेंटिलेटर, सी-पैप मशीन और सर्फेक्टेंट जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से उपचार प्रदान किया गया। 21 दिनों तक चले सतत उपचार और देखभाल के बाद शिशु पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने माता-पिता के साथ घर लौट गया। इससे परिवार की खुशियां दोगुनी हो गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, किरनापुर तहसील के ग्राम किंही निवासी राकेश उइके की पत्नी दिव्या ने 16 अक्टूबर 2026 को दोपहर 1:10 बजे एक निजी अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन से बालक को जन्म दिया। नवजात का जन्म मात्र 31 सप्ताह की गर्भावधि में हुआ था। समय से पहले जन्म होने के कारण शिशु को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। ऐसी स्थिति में उसे तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया।

एसएनसीयू में भर्ती होने के बाद शिशु को तत्काल सी-पैप मशीन पर रखा गया। करीब दो घंटे तक सी-पैप पर रखने के बावजूद उसकी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके बाद चिकित्सकों ने तत्काल सर्फेक्टेंट दवा दी और उसे वेंटिलेटर पर रखा। शिशु को लगातार छह दिनों तक वेंटिलेटर पर रखकर उपचार किया गया। इसके बाद स्थिति में कुछ सुधार होने पर अगले दो दिनों तक सी-पैप मशीन के माध्यम से सांस लेने में सहायता दी गई।

चिकित्सकों की सतत निगरानी और बेहतर उपचार से धीरे-धीरे शिशु की स्थिति में पूर्ण सुधार हुआ। इसके बाद उसे मां का दूध देना शुरू किया गया। साथ ही नवजात को आवश्यकतानुसार एनएनएस (नवजात शिशु की विशेष देखभाल) तथा कंगारू मदर केयर (केएमसी) की सुविधा नियमित रूप से प्रदान की गई। निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार शिशु की आंखों की आरओपी जांच और कानों की जांच भी कराई गई।

लगातार 21 दिनों तक एसएनसीयू में उपचार और विशेष देखभाल के बाद 5 नवंबर 2026 को शिशु का वजन 1 किलो 580 ग्राम होने पर उसे पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। डिस्चार्ज के समय परिजनों को शिशु की आंखों एवं कानों की जांच तथा नियमित फॉलोअप कराने की सलाह भी दी गई।

समय से पहले जन्मे और सांस लेने में गंभीर परेशानी से जूझ रहे नवजात का आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तथा विशेषज्ञ देखभाल से स्वस्थ होकर घर लौटना जिला अस्पताल की एसएनसीयू इकाई में उपलब्ध उपचार सुविधाओं और स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण को दर्शाता है।

बिना मंडी अनुमति मक्का ले जा रहा ट्रक पकड़ा

बालाघाट में गोंगलई मंडी के उड़नदस्ते ने 91,130 रुपए जुर्माना लगाया

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में बिना मंडी शुल्क जमा किए और अनुज्ञा पत्र के मक्का का परिवहन करने पर कृषि उपज मंडी गोंगलई के उड़नदस्ते ने रविवार को एक ट्रक पकड़ा। ट्रक में करीब 349.30 क्विंटल मक्का भरा था, जिसे सिवनी से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव ले जाया जा रहा था। मंडी प्रशासन ने अवैध परिवहन का प्रकरण बनाते हुए 91 हजार 130 रुपए का जुर्माना लगाया है।



ओम ट्रेडर्स के नाम से हो रहा था परिवहन

मंडी सचिव उत्तमप्रसाद नादौनिया ने बताया कि सूचना मिली थी कि बिना मंडी अनुज्ञा के कृषि उपज का परिवहन किया जा रहा है। इस पर उड़नदस्ता दल ने सिवनी की ओर से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी 08 बीए 1220 को रोका। जांच में पता चला कि फर्म ओम ट्रेडर्स खरसारू, सिवनी से मक्का छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव ले जाया जा रहा था।

चालक के पास नहीं मिला अनुज्ञा पत्रः मंडी अधिकारियों ने चालक से कृषि उपज के परिवहन से संबंधित अनुज्ञा पत्र मांगा, लेकिन वह दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद नियमानुसार वाहन को पकड़कर अवैध परिवहन का प्रकरण तैयार किया गया। मंडी सचिव के अनुसार, मप्र मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (6) के प्रावधानों के तहत 91 हजार 130 रुपए का जुर्माना किया गया है।

मंडी उड़नदस्ते ने की कार्रवाईः कार्रवाई के दौरान मंडी निरीक्षक भानेश्वर तुरकर, भीमेंद्र चौधरी, प्रकाश सोनवाने, उपनिरीक्षक पवन इनवाती सहित अन्य मंडी कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 10 नवंबर 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

भैरोगंज शराब दुकान विवाद

खाकी की तानाशाही या शराब ठेकेदार की सह्लूलियत?

सिवनी में लाड़ली बहनों के आंदोलन पर पुलिसिया और प्रशासनिक दमन का काला सच!

पुलिस और आबकारी की दमनात्मक कार्रवाई, महिलाओं को किया डिटेन

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार एक तरफ तो प्रदेशभर में नशा मुक्ति अभियान का ढिंढोरा पीटकर जनता को एक स्वच्छ और आदर्श समाज का सपना दिखा रही है, वहीं दूसरी ओर सूबे की महिलाओं और लाड़ली बहनों को सशक्त करने के बड़े-बड़े राजनीतिक दावे किए जा रहे हैं। सरकारी महकमों में महिलाओं को 33% आरक्षण देने और उन्हें हर मोर्चे पर आगे बढ़ाने के विज्ञापनों से अखबार रंगे हैं। लेकिन, इन दावों की हकीकत मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में तब पूरी तरह तार-तार होती नजर आई, जब शराब के अवैध और तानाशाहीपूर्ण तरीके से थोपे जाने के खिलाफ उतरीं लाड़ली बहनों पर खाकी ने अपनी दमदारी दिखाई।

दीवाली के पावन पर्व और जश्न के माहौल के बीच सिवनी का भैरोगंज इलाका पुलिस छावनी और जंग का मैदान बन गया। यहाँ महिलाओं के आक्रोश और प्रशासन की जिद के बीच जो कुछ हुआ, उसने सरकार के उन तमाम दावों की हवा निकाल दी है जिसमें महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की गारंटी दी जाती है।

रातों-रात शराब दुकान खोलने का खेल

पूरा मामला हाईकोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है जिसके तहत भैरोगंज क्षेत्र से शराब दुकान का स्थान परिवर्तन किया जाना था। लेकिन इस प्रक्रिया में नियमों को किस प्रकार ताक पर रखा गया, इसकी बानगी 8 नवंबर को देखने को मिली।

दिवाली के दिन यानी 8 नवंबर 2026, रविवार को भैरोगंज के मुंगवानी रोड से हटाई गई शराब दुकान को आबकारी विभाग ने रातों-रात तानाशाही अंदाज में जिंदल हॉस्पिटल के ठीक बाजू में 'दलसागर बी' शराब दुकान के रूप में खोल दिया। स्थानीय रहवासियों और खासकर महिलाओं को जब इस बात की भनक लगी, तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। महिलाओ का कहना है कि अस्पताल के पास रिहायशी इलाके में शराब दुकान खोले जाने से स्थानीय लोगों का जीना मुहाल होना तय था और उनकी सुरक्षा में भी सेंध लगेगी।



पुलिस और आबकारी की दमनात्मक कार्रवाई, महिलाओं को किया डिटेन



घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल और आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर जा पहुंचे। आक्रोशित महिलाओं और अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक और तीखी बहस हुई। जनता के सवालों के जवाब देने के बजाय शासन और प्रशासन ने अपनी नाकामी छुपाने के लिए बल प्रयोग का रास्ता चुना। पुलिस ने अपनी ताकत का रौब दिखाते हुए आंदोलित महिलाओं को जबरन डिटेन किया और पुलिस वाहनों में भरकर थाने ले जाने की धमकी दी। हालांकि, भारी विरोध और दबाव के चलते कुछ देर बाद उन्हें छोड़ दिया गया, लेकिन तब तक प्रशासन का अमानवीय चेहरा जनता के सामने बेनकाब हो चुका था। सवाल यह है कि क्या आंदोलित महिलाओं को बलपूर्वक उठाने और गाड़ियों में ठूंसने का कृत्य क्या लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर था? क्या मोहन सरकार में लाड़ली बहनो का यही सम्मान है? चर्चाओं का बाजार इस बात को लेकर भी गर्म है कि 7-8 नवंबर की दरम्यानी रात को पुलिस द्वारा आंदोलित महिलाओं पर लाठीचार्ज भी किया गया, हालांकि स्थानीय पुलिस इस लाठीचार्ज की खबर को सिरे से खारिज करते हुए इसे महज अफवाह बता रही है।

महिलाओं का फूटा गुस्सा, दुकान में तोड़फोड़ और हुंकार

जैसे ही क्षेत्रीय महिलाओं को इस अवैध व मनमाने फैसले की जानकारी मिली, वे स्वत :स्फूर्त होकर विरोध में सड़क पर उतर आईं। आक्रोशित महिलाओं ने दलसागर बी शराब दुकान पर पहुंचकर जमकर तोड़फोड़ की और दुकान के सामने धरने पर बैठकर जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। महिलाओं का साफ कहना था कि इस त्योहारी सीजन में और एक अस्पताल के नजदीक इस तरह नियमों के विरुद्ध शराब दुकान खोलना जनता के स्वास्थ्य और शांति के साथ खिलवाड़ है। महिलाओं की इस हुंकार ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग की नींद उड़ा दी।

विहिप नेता भी लिए गए हिरासत में

इस आंदोलन और महिलाओं के विरोध को समर्थन देने पहुंचे विश्व हिन्दू परिषद् के नेता माधव दुबे को भी पुलिस ने नहीं छोड़ा। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए माधव दुबे को भी हिरासत में ले लिया और कोतवाली थाने ले आई। हालांकि, बाद में उन्हें भी थाने से छोड़ दिया गया, लेकिन इस पूरी कार्रवाई से साफ जाहिर होता है कि प्रशासन किसी भी कीमत पर ठेकेदार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबा देना चाहता था।

किसकी शह पर चल रहा है यह खेल?

इस सनसनीखेज घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या नियम कायदों को ताक पर रखना ही आबकारी विभाग का काम रह गया है? जनता का सीधा आरोप है कि यह दुकान पूरी तरह नियम विरुद्ध है और सरकार द्वारा इस दुकान के नए स्थान चयन को लेकर कोई भी आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। तो क्या पुलिस और आबकारी अमला शराब ठेकेदार के हाथों की कठपुतली बन चुका है? जिस तरह से रातों-रात दुकान इधर से उधर शिफ्ट की जा रही है और विरोध करने वाली महिलाओं पर शक्ति का प्रदर्शन किया गया, उससे अफसरों की नीयत पर बड़ा सवालिया निशान लग रहा है। इस पूरे मामले पर राष्ट्रबाण की टीम ने जिम्मेदार आबकारी अधिकारी से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया, तो उन्होंने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। उनकी यह चुप्पी बहुत कुछ बयान करती है।

क्या यही है लाड़ली बहनों का सम्मान?

एक तरफ सूबे के मुखिया मंचों से लाड़ली बहनों को पलकों पर बिठाने की बात करते हैं, वहीं सिवनी की इन बहनों को अस्पताल के पास खुली अवैध शराब दुकान के विरोध में न्याय मांगने के बदले पुलिस के बर्बरता का सामना करना पड़ा। यदि समय रहते शासन ने इस मनमाने रवैया पर लगाम नहीं लगाई, तो जनता का यह आक्रोश आने वाले चुनाव में और सरकार के खिलाफ मतदान कर सत्ता परिवर्तन के रूप में देखने को मिल सकती है। फिलहाल सिवनी की यह घटना प्रशासन के माथे पर एक बड़ा कलंक बनकर उभर आई है, जिसका जवाब जनता आने वाले समय में जरूर मांगेगी।

सिवनी के छपारा में तड़के दर्दनाक हादसा

मकान में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

नींद में सोया था परिवार, चीख-पुकार से दहला इलाका

आग लगने के कारण अज्ञात, छपारा नगर में शोक की लहर

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के छपारा नगर में सोमवार की सुबह एक भीषण और रोंगटे खड़े कर देने वाली त्रासदी की गवाह बनी। थाना छपारा क्षेत्र के महावीर वार्ड क्रमांक 07 स्थित जैन मंदिर के समीप सोमवार तड़के करीब 3:00 से 3:30 बजे के बीच कुंदन सोनी के रिहायशी मकान में अचानक अज्ञात कारणों से भीषण आग भड़क उठी। जब पूरा परिवार गहरी नींद में सो रहा था, तब उठी आग की लपटों और धुएं के गुबार ने पूरे मकान को अपनी आगोश में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के 6 सदस्यों की झुलसने और दम घुटने से मौत हो गई, जबकि 4 लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

नींद में सोया था परिवार, चीख-पुकार से दहला इलाका

स्थानीय निवासियों के अनुसार, हादसा 9 नवंबर की दरम्यानी रात 3:00 का है जब चारों तरफ सन्नाटा पसरा हुआ था। मकान से अचानक आग, धुएं की ऊंची लपटें और परिवार के सदस्यों की बचाओ-बचाओ की चीख-पुकार सुनकर आसपास के पड़ोसी तुरंत मौके की ओर दौड़े। देखते ही देखते आग ने इतना उग्र रूप धारण कर लिया कि मकान के भीतर जाने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया।

घटना की सूचना तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। स्थानीय नागरिकों और दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग पर काबू पाने और अंदर फंसे लोगों को निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि जब तक लोगों को बाहर निकाला जाता, तब तक 6 जिंदगियां दम तोड़ चुकी थीं।



हादसे में जान गंवाने वाले और सुरक्षित बचाए गए सदस्य

हादसे के समय मकान में परिवार के कुल 10 सदस्य मौजूद थे। जिनमे मृतक 6 सदस्य शामिल है। इनमें कुंदन लाल सोनी (आयु 75 वर्ष), राजकुमारी सोनी (आयु 65 वर्ष), ऋतु सोनी (आयु 42 वर्ष), स्मृति सोनी (आयु 40 वर्ष), सूर्या सोनी (आयु 45 वर्ष), आदित्य सोनी (आयु 16 वर्ष)। सुरक्षित बचाए गए 4 सदस्य में अमायरा सोनी (आयु 7 वर्ष), रितेश सोनी (आयु 45 वर्ष), सौरभ सोनी (आयु 43 वर्ष), आकर्ष सोनी (आयु 14 वर्ष) को बचाया गया। सुरक्षित निकाले गए लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

आग लगने के कारण अज्ञात

आग किस वजह से लगी, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है, लेकिन पुलिस मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने में लगी है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही आग लगने के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

छपारा नगर में शोक की लहर

इस हृदयविदारक घटना की खबर फैलते ही छपारा नगर और आसपास के क्षेत्रों में गहरा शोक छा गया है। एक ही परिवार के बुजुर्ग, महिलाओं और मासूम बच्चे समेत 6 लोगों की असमय मौत ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मौके पर मौजूद है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छपारा पुलिस की अवैध जुआ फड़ पर दबिश

10,050 रुपये नगद के साथ 6 जुआरी गिरफ्तार

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी के मार्गदर्शन में थाना छपारा पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम देवरीकलां में संचालित अवैध जुआ फड़ पर दबिश देकर 6 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से कुल 10,050 रुपये नगद जप्त किए हैं। पकड़े गए आरोपियों में दीपक ठाकुर, कृष्णपाल ठाकुर, अशोक शिववेदी, आशीष यादव, गंगाराम यादव और राहुल यादव शामिल हैं, जिन पर जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार जैतवार सहित उप निरीक्षक भुजवल सिंह प्रजापति और अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

सिवनी में दिखी दीपावली की अद्भुत झलक



भव्य राम मंदिर की कलात्मक रंगोली ने मोहा सबका मन

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

दीपावली के पावन पर्व पर सिवनी नगर से कला और आस्था का एक बेहद मनमोहक और अनूठा नजारा सामने आया है। प्रकाश के इस महापर्व के उल्लास के बीच यहाँ एक घर के आँगन में बनाई गई भव्य राम मंदिर की सुंदर रंगोली हर किसी के आकर्षण का केंद्र बन गई। पारंपरिक रंगों, फूलों और दीपों के अद्भुत संयोजन से उकेरी गई अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की इस कलाकृति ने दीपावली की रौनक को कई गुना बढ़ा दिया। रंगोली के चारों ओर जगमगाते मिट्टी के दीये और फूलों की सजावट इस दृश्य को और भी अलौकिक बना रही है। इस शानदार और जीवंत रंगोली के पास बैठकर प्रसन्नता व्यक्त करती महिला की यह तस्वीर सिवनी में मचे दीपोत्सव के उत्साह, कला के प्रति प्रेम और राम भक्ति की गहरी भावना को बखूबी बयां कर रही है।

भैरोगंज शराब दुकान, खुलते ही मचा बवाल

नशे में अभद्रता और थाने में लंबी मशक्कत के बाद भी नहीं दर्ज हुई एफआईआर

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

शहर के भैरोगंज क्षेत्र में नई शराब दुकान के खुलते ही स्थानीय निवासियों का वह डर सच साबित हो गया, जिसकी आशंका वे लगातार जता रहे थे। दुकान के संचालन के पहले ही दिन से क्षेत्र का माहौल गरमा गया और शराबियों का आतंक सामने आने लगा। दुकान खुलने के चंद घंटों के भीतर ही एक शराबी युवक द्वारा स्थानीय महिला के साथ सरेराह गाली-गलौज और अभद्रता का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सरेराह अभद्रता और पीड़िता का संघर्ष

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भैरोगंज क्षेत्र में शराब दुकान के संचालन के विरोध के स्वर पहले से ही गूंज रहे थे। निवासियों को अंदेशा था कि इस दुकान के खुलने से इलाके का शांत माहौल खराब होगा और आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उनका यह डर तब हकीकत बन गया जब एक नशे में धुत युवक ने स्थानीय महिला के साथ बहस करते हुए भद्दी भद्दी गालियों का प्रयोग किया।

घटना से आहत महिला जब अपनी शिकायत दर्ज कराने कोतवाली थाना पहुंची, तो उसे न्याय पाने के लिए भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा। थाना परिसर में उसे लंबी जद्दोजहद करनी पड़ी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक आरोपी युवक के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकी थी।

न्याय मांगने पर उल्टा धमकी का खेल



मामला तब और अधिक जटिल हो गया जब पीड़िता पर दबाव बनाने के लिए उल्टे पैंतरे अपनाए जाने लगे। आरोप है कि गाली-गलौज और उपद्रव करने वाले युवक की ओर से पीड़िता और उसके समर्थकों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। इतना ही नहीं, आरोपी ने एससी/एसटी एक्ट के तहत झूठा मामला कायम करवाने की धमकी देकर पुलिस तंत्र को भी उलझाने का प्रयास किया। एक तरफ जहां पीड़िता न्याय के लिए थाने के चक्कर काटती रही, वहीं दूसरी तरफ उपद्रवी तत्व थाने के भीतर ही अपनी धौंस जमाते हुए नजर आए।

क्षेत्रीय नागरिकों में रोष, सुरक्षा पर उठे सवाल

इस घटना के बाद भैरोगंज क्षेत्र के रहवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। नागरिकों का कहना है कि यदि शराब दुकान के खुलते ही पहले दिन इस तरह की गुंडागर्दी और मनमानी शुरू हो गई है, तो आने वाले दिनों में स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। बता दें कि शराब दुकान का विरोध करते समय क्षेत्रवासियों को प्रशासन और पुलिस के उच्च अधिकारियों ने सुरक्षा का आश्वासन दिया था लेकिन वह आश्वासन अब हवा में उड़ते नजर आ रहे है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि भैरोगंज क्षेत्र से इस शराब दुकान को शीघ्र अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया गया और दोषी युवक पर कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो जनता उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। फिलहाल, इस घटना ने स्थानीय पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली और कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

दीपावली पर घर और बाजार रोशनी से सजे



हर घर हुई लक्ष्मी-गणेश पूजन, बच्चों ने जमकर की आतिशबाजी

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिला मुख्यालय समेत जिले के सभी आठ विकासखंडों में दीपावली मनाई गई। घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सजाया गया। शाम होते ही जिला दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा।

बाजारों में दिनभर खरीदारों की चहल-पहल रही। लोगों ने लक्ष्मी-गणेश पूजन के लिए अशोक के पत्ते, फूल, मालाएं, दीपक, रूई की बातियां, तेल, घी, मिठाइयां, फल-फूल और पूजन सामग्री खरीदी। मिठाई, सजावटी सामान, इलेक्ट्रॉनिक लाइट, मिट्टी के दीपक और रंगोली की दुकानों पर भी ग्राहक पहुंचे। इनपुट के मुताबिक, पिछले वर्षों की तुलना में इस साल बाजार में कारोबार अधिक रहा। शाम को शुभ मुहूर्त में लोगों ने माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की। घरों और प्रतिष्ठानों में दीप जलाकर सुख-समृद्धि की कामना की गई। परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और मिठाइयां बांटीं। महिलाओं ने घरों के आंगन और प्रवेश द्वार पर रंगोलियां बनाईं। बच्चों और युवाओं ने आतिशबाजी की, जबकि बुजुर्गों ने परिवार के साथ पूजा की। जिला मुख्यालय के बाजारों, गलियों और मोहल्लों में देर रात तक रोशनी और आतिशबाजी होती रही। धनोरा, घंसौर, लखनादौन, छपारा, केवलारी, बरघाट और कुरई समेत ग्रामीण इलाकों में भी दीपावली मनाई गई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433